आवाज़ ... आम आदमी की

इन्क़िलाबी नज़र

लखनऊ, शनिवार, 30 सितम्बर 2023

जो व्यक्ति भी विकास के लिए खड़ा है उसे हर एक रूढ़िवादी चीज़ की आलोचना करनी होगी, उसमें अविश्वास करना होगा तथा उसे चुनौती देनी होगी।
-भगत सिंह

वर्ष 15 अंक 382 मूल्य 4-00 रुपया पृष्ठ- 12

तापमान - अधिकतम 35.3°C (+1.5) न्यूनतम 25.1°C(+2.1) सेंसेक्स 65,828.41 (+320.09) निफ्टी 19,638.30 (+114.75) सोना 58,680 चांदी 74,700 मुद्रा - डालर 83.06 दिरहम 22.61 रियाल 22.15

एरा विश्वविद्यालय में मनाया गया विश्व हृदय दिवस

◎ बिगड़ी जीवन शैली और अनुवांशिक कारणों से भी होती है दिल की बीमारी : प्रो. अब्बास अली मेहदी

लखनऊ (ब्यूरो)। एरा विश्वविद्यालय के कार्डियोलॉजी विभाग ने शुक्रवार को विश्व हृदय दिवस के मौके पर कार्यक्रम का आयोजन किया। प्रसिद्ध हृदय रोग विशेषज्ञ प्रोफेसर डॉ. मोहम्मद अहमद पूर्व डीन मेडिसिन संकाय और निदेशक कार्डियोलॉजी सेंटर जेएन मेडिकल कॉलेज अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। एरा यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रोफेसर अब्बास अली मेहदी ने समारोह की अध्यक्षता की। प्रोफेसर मेहदी ने कार्यक्रम में शामिल हुए अतिथि वक्ताओं का स्वागत किया और बताया कि हृदय संबंधी समस्याएं बिगड़ी हुई जीवनशैली और अनुवांशिक कारणों से भी होती है। उन्होंने दिल की बीमारी से बचाव के लिए लोगों को जागरुक रहने की सलाह दी। उन्होंने बताया कि तनाव से दूर रहना चाहिये। दिल की बीमारी होने का एक कारण तनाव भी है।

आरएमएल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस लखनऊ से आये डॉ. आशीष झा ने युवाओं में हार्ट अटैक की बढ़ती समस्या पर बात की और संजय गांधी पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज लखनऊ की प्रोफेसर डॉ. रूपाली खन्ना ने हार्ट फेल्योर अपडेट पर व्याख्यान दिया। इस अवसर पर बोलते हुए प्रो. खन्ना ने हृदय विफलता के मूल कारण, इसकी रोकथाम और चिकित्सा उपचार के बारे में जानकारी दी और हृदय विफलता के उपचार के लिए उपलब्ध नवीनतम दिशानिर्देशों और तकनीकियों के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि दिल की विफलता जीवन की विफलता नहीं है लेकिन यदि उचित समय पर उपचार दिया जाए और रोगी निर्देशित चिकित्सा का पालन करे तो एक मरीज लंबा जीवन जी सकता है। प्रो. आशीष झा ने अपनी प्रस्तुति में हृदय रोगों के मूल कारण और उससे होने वाली मृत्यु की रोकथाम के बारे में भी बात की।

उन्होंने कहा कि बड़े पैमाने पर शिक्षा, बीमारी के प्रति जागरूकता और अस्पतालों तथा समाज में लाइफ सपोर्ट टीचिंग की सख्त जरूरत है। एरा हास्पिटल के सीवीटीएस विभाग के प्रो. केपी मल ने 'हृदय का उपयोग और हृदय को जानें' विषय पर बात की। एरा अस्पताल के कार्डियोलॉजी विभाग के डॉ. बशीर अहमद मीर ने कार्डियोलॉजी में 2023 के शीर्ष परीक्षणों पर बात की। सीटीवीएस विभाग के प्रो. खालिद इकबाल ने 'मैकेनिकल सर्कुलेटिंग सपोर्ट इन हार्ट फेल्योर' पर अपना व्याख्यान दिया। प्रो.एमएमए फरीदी डीन (एमेरिटस), प्रो. जलीस फातिमा प्रमुख मेडिसिन विभाग और प्रो. वैभव शुक्ला, मेडिसिन विभाग ने भी समारोह में भाग लिया।